

प्रेषक,

विजय कुमार ढौड़ियाल,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,
युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

संस्कृति, पर्यटन एवं खेलकूद अनुभाग-2

देहरादून दिनांक : 15 दिसम्बर, 2010

विषय :- वित्तीय वर्ष 2010-11 में विभिन्न मदों में प्राविधानित धनराशि अवमुक्त किए जाने के सम्बन्ध में।
महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-1025/दो-1984/2010-11 दिनांक-1-10-2010, तथा पत्र संख्या-1035/दो-1790/2010-11 दिनांक-26-10-2010, के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है, कि वित्तीय वर्ष 2010-11 में युवा कल्याण विभाग के अनुदान संख्या-11 के अन्तर्गत आयोजनेत्तर पक्ष में प्राविधानित रू० 1,13,70,000/- (एक करोड़ तेरह लाख सत्तर हजार मात्र) की धनराशि निम्न शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन संलग्न 'क' में दिये गये विवरणानुसार श्री राज्यपाल महोदय आपके निर्वर्तन पर रखते हुए व्यय किए जाने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

i) उक्त स्वीकृत धनराशि इस प्रतिबंध के साथ स्वीकृत की जाती है कि उक्त स्वीकृत धनराशि के सापेक्ष आरहण/व्यय यथा आवश्यकता मितव्ययता को ध्यान में रखकर मासिक व्यय की सारिणी बनाकर किया जायेगा तथा इस सम्बंध में वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-187/XXVII (1)/2010 दिनांक-30 मार्च 2010 में विहित शर्तों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा। मितव्ययी मदों में आवंटित सीमा तक ही व्यय सीमित रखा जाय। यह स्पष्ट किया जाता है, कि धनराशि का आवंटन किसी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिसे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल, या वित्तीय हस्त पुस्तिका तथा उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2007 के नियमों एवं अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। ऐसा व्यय संबंधित अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त करके ही किया जाना चाहिए।

ii) धनराशि उसी मद में व्यय की जाय जिसके लिए स्वीकृत की जा रही है। व्यय में मितव्ययता के संबंध में समय-समय पर जारी किये गये शासनदेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जा। स्वीकृत धनराशि के व्यय के विवरण शासन तथा महालेखाकार को नियमित रूप से भेजे जाय।

iii) धनराशि का किसी भी दशा में व्यवर्तन नहीं किया गया। धनराशि उसी मद में व्यय की जाय जिसके लिए स्वीकृति की जा रही है। व्यय में मितव्ययता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी किये गये शासनादेशों में निहित निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जाय। स्वीकृत धनराशि के व्यय के विवरण शासन तथा महालेखाकार को नियमित रूप से भेजे जाय।

कमश2/-

iV) उक्त आवंटित धनराशि की व्यय की संकलित सूचना बी0एम0-13 पर प्रतिमाह अनिवार्य रूप से उपलब्ध करा दी जाय।

V) धनराशि का आहरण बजट की सीमान्तगत ही किया जाय, किसी भी दशा में धनराशि का आहरण परिव्यय एवं बजट व्यवस्था की सीमा से अधिक नहीं किया जाय।

VI) इस संबंध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2010-11 के उपर्युक्त अनुदान संख्या-11 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक 2204 में संलग्न 'क' दिये गये विवरणानुसार संगत मानक मदों के नामें डाला जायेगा।

यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-350 (NP)/XXVII(3)/2010 दिनांक-10 दिसम्बर 2010 द्वारा प्रदत्त आदेश से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक-उपरोक्तानुसार।

भवदीय

(विजय कुमार ढौड़ियाल)
अपर सचिव

पृष्ठांकन संख्या- 604 /VI-I/2010-51 (1)/2010 तददिनांकित।

प्रतिलिपि :- निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, सहारनपुर रोड़, ओबराय बिल्डिंग, देहरादून।
2. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
3. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-3।
4. बजट राजकोषीय संसाधन निदेशालय, देहरादून।
5. एन0आई0सी0, सचिवालय देहरादून।
6. गार्ड फाइल।

आज्ञा से

(एस0एस0वल्दिया)
उप सचिव

शासनादेश संख्या- 604 /VI-2/2010/91(1)/2010, दिनांक- 15 का संलग्नक

अनुदान संख्या-11 आयोजनेत्तर

धनराशि (हजार रुपये में)

क्र०स०	लेखाशीर्षक/मानक मद का नाम	अवमुक्त की जा रही धनराशि
	लेखाशीर्षक 2204-00-001-00-04	
1.	01- वेतन	4200
2.	02-मजदूरी	5800
3.	03- मंहगाई भत्ता	1300
4.	06 अन्य भत्तें	70
	योग	11370
	महायोग	11370

(एस०एस०वल्दिया)
उपसचिव